Gen

Chapter 33

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

וַיִּשָּׂא	יַעֲקֹב	עֵינָיו	וַיַּרְא	וְהִנֵּה	עֵשָׂו	בָּא	וְעִמּוֹ	אַרְבַּע	מֵאוֹת
और-उठाई	याकूब-ने	अपनी-आँखें	और-देखा	और-देखो	एसाव	आ-रहा-है	और-उसके-साथ	चार	सौ
H5375	H3290		H7200	H2009	H6215	H0935		H0702	H3967

אִישׁ	וַיַּחַץ	אֶת־	הַיְלָדִים	עַל־	לֵאָה	וְעַל־	רָחֵל	וְעַל	שְׁתֵּי	הַשְּׁפָחוֹת׃
पुरुष	और-बाँटा	को	बच्चों	को	लेआह	और-को	राहेल	और-को	दोनों	दासियों
H0376	H2673	H0853	H3206		H3812		H7354		H8147	H8198

> याकूब ने दृष्टि उठाई और एसाव को आते हुए देखा। एसाव आ रहा था और उसके साथ चार सौ पुरुष थे। याकूब ने अपने परिवार को चार समूहों में बाँटा। लिआ और उसके बच्चे एक समूह में थे, राहेल और यूसुफ एक समूह में थे, दासी और उनके बच्चे दो समूहों में थे।

2

וַיָּשֶׂם	אֶת־	הַשְּׁפָחוֹת	וְאֶת־	יַלְדֵיהֶן	רִאשֹׁנָה	וְאֶת־	לֵאָה	וִילָדֶיהָ	אַחֲרֹנִים
और-रखा	को	दासियों	और-को	उनके-बच्चों	पहले	और-को	लेआह	और-उसके-बच्चों	पीछे
	H0853	H8198	H0853	H3206	H7223	H0853	H3812	H3206	H0314

וְאֶת־	רָחֵל	וְאֶת־	יוֹסֵף	אַחֲרֹנִים׃
और-को	राहेल	और-को	योसेफ	सबसे-पीछे
H0853	H7354	H0853	H3130	H0314

> याकूब ने दासियों और उनके बच्चों को आगे रखा। उसके बाद उनके पीछे लिआ और उसके बच्चों को रखा और याकूब ने राहेल और यूसुफ को सबके अन्त में रखा।

3

וְהוּא	עָבַר	לִפְנֵיהֶם	וַיִּשְׁתַּחוּ	אַרְצָה	שֶׁבַע	פְּעָמִים	עַד־	גִּשְׁתּוֹ	עַד־
और-वह	पार-हुआ	उनके-आगे	और-झुका	भूमि-तक	सात	बार	तक	पहुँचने-के-उसके	तक
H1931		H6440	H7812	H0776	H7651	H6471	H5704	H5066	H5704

אָחִיו׃
अपने-भाई-के
H0251

> याकूब स्वयं एसाव की ओर गया। इसलिए वह पहला व्यक्ति था जिसके पास एसाव आया। अपने भाई की ओर बढ़ते समय याकूब ने सात बार ज़मीन पर झुककर प्रणाम किया।

4

וַיָּרָץ	עֵשָׂו	לִקְרָאתוֹ	וַיְחַבְּקֵהוּ	וַיִּפֹּל	עַל־	צַוָּארָו	וַיִּשָּׁקֵהוּ	וַיִּבְכּוּ׃
और-दौड़ा	एसाव	उससे-मिलने-को	और-गले-लगाया-उसे	और-गिरा	पर	उसकी-गर्दन	और-चूमा-उसे	और-रोए-वे
H7323	H6215	H7125	H2263	H5307				H1058

> तब एसाव ने याकूब को देखा, वह उससे मिलने को दौड़ पड़ा। एसाव ने याकूब को अपनी बाहों में भर लिया और छाती से लगाया। तब एसाव ने उसकी गर्दन को घूमा और दोनों आनन्द में रो पड़े।

5

וַיִּשָּׂא	אֶת־	עֵינָיו	וַיַּרְא	אֶת־	הַנָּשִׁים	וְאֶת־	הַיְלָדִים	וַיֹּאמֶר	מִי־	אֵלֶּה
और-उठाई-उसने	को	अपनी-आँखें	और-देखा	को	स्त्रियों	और-को	बच्चों	और-कहा	कौन-हैं	ये
H5375	H0853		H7200	H0853	H0802	H0853	H3206	H0559	H4310	H0428

לָּךְ	וַיֹּאמַר	הַיְלָדִים	אֲשֶׁר־	חָנַן	אֱלֹהִים	אֶת־	עַבְדֶּךָ׃
तेरे	और-कहा-उसने	बच्चे-हैं	जो	दया-की-है	परमेश्वर-ने	को	तेरे-दास-पर
	H0559	H3206			H0430	H0853	H5650

> एसाव ने नज़र उठाई और स्त्रियों तथा बच्चों को देखा। उसने कहा, “तुम्हारे साथ ये कौन लोग हैं?” याकूब ने उत्तर दिया, “ये वे बच्चे हैं जो परमेश्वर ने मुझे दिए है। परमेश्वर मुझ पर दयालु रहा है।”

6

וַתִּגַּשְׁןָ	הַשְּׁפָחוֹת	הֵנָּה	וְיַלְדֵיהֶן	וַתִּשְׁתַּחֲוֶיןָ׃
और-निकट-आईं	दासियाँ	वे	और-उनके-बच्चे	और-झुकीं
H5066	H8198	H2007	H3206	H7812

तब दोनों दासियाँ अपने बच्चों के साथ एसाव के पास गए। उन्होंने उसको झुककर प्रणाम किया।

7

וַתִּגַּשׁ	גַּם־	לֵאָה	וִילָדֶיהָ	וַיִּשְׁתַּחֲוּוּ	וְאַחַר	נִגַּשׁ	יוֹסֵף	וְרָחֵל
और-निकट-आई	भी	लेआह	और-उसके-बच्चे	और-झुके	और-बाद-में	निकट-आया	योसेफ	और-राहेल
H5066	H1571	H3812	H3206	H7812		H5066	H3130	H7354
וַיִּשְׁתַּחֲוּוּ׃								
और-झुके								
H7812								

तब लिआ अपने बच्चों के साथ एसाव के सामने गई और उसने प्रणाम किया और तब राहेल और यूसुफ एसाव के सामने गए और उन्होंने भी प्रणाम किया।

8

וַיֹּאמֶר	מִי	לְךָ	כָל־	הַמַּחֲנֶה	הַזֶּה	אֲשֶׁר	פָּגָשְׁתִּי	וַיֹּאמֶר	לִמְצֹא־	חֵן
और-कहा	किसका-है	तेरा	यह-सब	दल	यह	जिससे	मिला-मैं	और-कहा-उसने	पाने-के-लिए	अनुग्रह
H0559	H4310		H3605	H4264	H2088		H6298	H0559	H4672	H2580
בְּעֵינֵי	אֲדֹנִי׃									
दृष्टि-में	मेरे-स्वामी-की									
	H0113									

एसाव ने कहा, “मैंने जिन सब लोगों को यहाँ आते समय देखा वे कौन थे? और वे सभी जानवर किसलिए थे?” याकूब ने उत्तर दिया, “वे तुमको मेरी भेट है जिससे तुम मुझे स्वीकार कर सको!”

9

וַיֹּאמֶר	עֵשָׂו	יֶשׁ־	לִי	רָב	אָחִי	יְהִי	לְךָ	אֲשֶׁר־	לָךְ׃
और-कहा	एसाव-ने	है	मेरे-पास	बहुत	मेरे-भाई	रहे	तेरे-पास	जो-कुछ	तेरा-है
H0559	H6215	H3426			H0251	H1961			

किन्तु एसाव ने कहा, “भाई, तुम्हें मुझको कोई भेंट नहीं देनी चाहिए क्योंकि मेरे पास सब कुछ बहुतायत से हैं।”

10

וַיֹּאמֶר	יַעֲקֹב	אַל־	נָא	אִם־	נָא	מָצָאתִי	חֵן	בְּעֵינֶיךָ	וְלָקַחְתָּ	מִנְחָתִי
और-कहा	याकूब-ने	नहीं	कृपया	यदि	कृपया	पाया-है-मैंने	अनुग्रह	तेरी-दृष्टि-में	तो-ले	मेरी-भेंट
H0559	H3290	H0408	H4994		H4994	H4672	H2580		H3947	H4503
מִיָּדִי	כִּי	עַל־	כֵּן	רָאִיתִי	פָנֶיךָ	כִּרְאֹת	פְּנֵי	אֱלֹהִים		
मेरे-हाथ-से	क्योंकि	इसलिए	इसलिए	देखा-है-मैंने	तेरा-मुख	देखने-जैसा	मुख	परमेश्वर-का		
H3027				H7200	H6440	H7200	H6440	H0430		
וַתִּרְצֵנִי׃										
और-प्रसन्न-हुए-तू-मुझ-पर										
H7521										

याकूब ने कहा, “नहीं! मैं तुमसे विनती करता हूँ। यदि तुम सचमुच मुझे स्वीकार करते हो तो कृपया जो भेंटें देता हूँ तुम स्वीकार करो। मैं तुमको दुबारा देख कर बहुत प्रसन्न हूँ। यह तो परमेश्वर को देखने जैसा है। मैं यह देखकर बहुत प्रसन्न हूँ कि तुमने मुझे स्वीकार किया है।

11

קַח־	נָא	אֶת־	בִּרְכָתִי	אֲשֶׁר	הֻבָאת	לָךְ	כִּי־	חַנַּנִי	אֱלֹהִים
ले	कृपया	को	मेरी-आशीर्वाद	जो	लाई-गई-है	तेरे-पास	क्योंकि	दया-की-है-मुझ-पर	परमेश्वर-ने
H3947	H4994	H0853	H1293		H0935				H0430
וְכִי	יֶשׁ־	לִי־	כֹל	וַיִּפְצַר־	בּוֹ	וַיִּקָּח׃			
और-क्योंकि	है	मेरे-पास	सब-कुछ	और-आग्रह-किया	उससे	और-ले-लिया			
	H3426		H3605	H6484		H3947			

इसलिए मैं विनती करता हूँ कि जो भेंट मैं देता हूँ उसे भी स्वीकार करो। परमेश्वर मेरे ऊपर बहुत कृपालु रहा है। मेरे पास अपनी आवश्यकता से अधिक हैं।” इस प्रकार याकूब ने एसाव से भेंट स्वीकार करने को विनती की। इसलिए एसाव ने भेंट स्वीकार की।

12

וַיֹּאמֶר	נִסְעָה	וְנֵלֵכָה	וְאֵלְכָה	לְנֶגְדֶּךָ׃
और-कहा-उसने	कूच-करें-हम	और-चलें	और-चलूँगा-मैं	तेरे-सामने
H0559	H5265	H3212	H3212	H5048

तब एसाव ने कहा, “अब तुम अपनी यात्रा जारी रख सकते हो। मैं तुम्हारे साथ चलूँगा।”

13

וַיֹּאמֶר	אֵלָיו	אֲדֹנִי	יֹדֵעַ	כִּי־	הַיְלָדִים	רַכִּים	וְהַצֹּאן	וְהַבָּקָר	עָלוֹת
और-कहा-उसने	उससे	मेरे-स्वामी	जानते-हैं	कि	बच्चे	कोमल-हैं	और-भेड़ें	और-गायें	दूध-पिलाती-हैं
H0559	H0413	H0113	H3045		H3206	H7390	H6629	H1241	H5763

עָלָי	וּדְפָקוּם	יוֹם	אֶחָד	וָמֵתוּ	כָּל־	הַצֹּאן׃
मुझ-पर	और-हाँके-उन्हें	दिन	एक	तो-मर-जाएँगी	सब	भेड़ें
	H1849	H3117	H0259	H4191	H3605	H6629

किन्तु याकूब ने उससे कहा, “तुम यह जानते हो कि मेरे बच्चे अभी कमज़ोर हैं और मुझे अपनी रेवड़ों और उनके बच्चों की विशेष देख—रेख करनी चाहिए। यदि मैं उन्हें बहुत दूर एक दिन में चलने के लिए विवश करता हूँ तो सभी पशु मर जाएंगे।

14

יַעֲבָר־	נָא	אֲדֹנִי	לִפְנֵי	עַבְדּוֹ	וַאֲנִי	אֶתְנָהֲלָה	לְאִטִּי	לְרֶגֶל	הַמְּלָאכָה
पार-करें	कृपया	मेरे-स्वामी	आगे	अपने-दास-के	और-मैं	आगे-बढता-रहूँगा	धीरे-धीरे	गति-के-अनुसार	काम
	H4994	H0113	H6440	H5650	H0589	H5095		H7272	H4399

אֲשֶׁר־	לְפָנַי	וּלְרֶגֶל	הַיְלָדִים	עַד	אֲשֶׁר־	אָבֹא	אֶל־	אֲדֹנִי	שֵׂעִירָה׃
जो	मेरे-आगे-है	और-गति-के-अनुसार	बच्चों-की	तक	जब	आऊँ-मैं	पास	मेरे-स्वामी-के	सेईर-में
	H6440	H7272	H3206	H5704		H0935	H0413	H0113	

इसलिए तुम आगे चलो और मैं धीरे—धीरे तुम्हारे पीछे आऊँगा। मैं पशुओं और अन्य जानवरों की रक्षा के लिए काफी धीरे—धीरे बढ़ूँगा और मैं काफी धीरे—धीरे इसलिए चलूँगा कि मेरे बच्चे बहुत अधिक थक न जाए। मैं सेईर में तुमसे मिलूँगा।”

15

וַיֹּאמֶר	עֵשָׂו	אַצִּיגָה־	נָּא	עִמְּךָ	מִן־	הָעָם	אֲשֶׁר	אִתִּי	וַיֹּאמֶר	לָמָּה
और-कहा	एसाव-ने	छोड़-दूँ	कृपया	तेरे-साथ	से	लोग	जो	मेरे-साथ-हैं	और-कहा-उसने	क्यों
H0559	H6215	H3322	H4994					H0854	H0559	H4100

זֶּה	אֶמְצָא־	חֵן	בְּעֵינֵי	אֲדֹנִי׃
यह	पाऊँ	अनुग्रह	दृष्टि-में	मेरे-स्वामी-की
H2088	H4672	H2580		H0113

इसलिए एसाव ने कहा, “तब मैं अपने कुछ साथियों को तुम्हारी सहायता के लिए छोड़ दूँगा।” किन्तु याकूब ने कहा, “यह तुम्हारी विशेष दया है। किन्तु ऐसा करने की कोई आवश्यकता नहीं है।”

16

וַיָּשָׁב	בַּיּוֹם	הַהוּא	עֵשָׂו	לְדַרְכּוֹ	שֵׂעִירָה׃
और-लौटा	दिन	उस	एसाव	अपने-मार्ग-पर	सेईर-को
H7725	H3117	H1931	H6215	H1870	

इसलिए उस दिन एसाव सेईर की वापसी यात्रा पर चल पढ़ा।

17

וְיַעֲקֹב	נָסַע	סֻכֹּתָה	וַיִּבֶן	לוֹ	בָּיִת	וּלְמִקְנֵהוּ	עָשָׂה	סֻכֹּת
और-याकूब	कूचा	सुक्कोत-को	और-बनाया	अपने-लिए	घर	और-अपने-पशुओं-के-लिए	बनाई	छप्पर
H3290	H5265	H5523	H1129			H4735		H5521

עַל־	כֵּן	קָרָא	שֵׁם־	הַמָּקוֹם	סֻכּוֹת׃	ס
इसलिए	इसलिए	पुकारा-गया	नाम	स्थान-का	सुक्कोत	—
		H7121	H8034	H4725	H5523	

किन्तु याकूब सुक्कोत को गया। वहाँ उसने अपने लिए एक घर बनाया और अपने मवेशियों के लिए छोटी पशुशालाएँ बनाई। इसी कारण इस जगह का नाम सुक्कोत रखा।

18

וַיָּבֹא	יַעֲקֹב	שָׁלֵם	עִיר	שְׁכֶם	אֲשֶׁר	בְּאֶרֶץ	כְּנַעַן	בְּבֹאוֹ	מִפַּדַּן אֲרָם
और-आया	याकूब	सालेम	नगर	शकेम-के	जो	देश-में-है	कनान-के	आने-में-उसके	पद्दन-अराम-से
H0935	H3290	H8003		H7927		H0776		H0935	H6307

וַיִּחַן	אֶת־	פְּנֵי	הָעִיר׃
और-डेरा-डाला	के	सामने	नगर-के
H2583	H0854	H6440	

बाद में याकूब ने अपना जो कुछ था उसे कनान प्रदेश से शकेम नगर को भेज दिया। याकूब ने नगर के समीप मैदान में अपना डेरा डाला।

19

וַיִּ֜קֶן	אֶת־	חֶלְקַ֣ת	הַשָּׂדֶ֗ה	אֲשֶׁ֤ר	נָֽטָה־	שָׁם֙	אָהֳל֔וֹ	מִיַּ֛ד	בְּנֵֽי־	חֲמ֖וֹר
और-खरीदा	को	टुकड़ा	मैदान-का	जहाँ	खड़ा-किया-था	वहाँ	अपना-तम्बू	हाथ-से	पुत्रों-के	हमोर-के
H7069	H0853				H5186	H8033	H0168	H3027		H2544

אֲבִ֣י	שְׁכֶ֑ם	בְּמֵאָ֖ה	קְשִׂיטָֽה׃
पिता	शकेम-के	सौ-में	केसीटा
H0001	H7927	H3967	H7192

> याकूब ने उस भूमि को शकेम के पिता हमोर के परिवार से खरीदा। याकूब ने चाँदी के सौ सिक्के दिए।

20

וַיַּצֶּב־	שָׁ֖ם	מִזְבֵּ֑חַ	וַיִּ֨קְרָא־	ל֔וֹ	אֵ֕ל	אֱלֹהֵ֖י	יִשְׂרָאֵֽל׃	ס
और-खड़ी-की	वहाँ	वेदी	और-रखा	उसे	एल	परमेश्वर	इस्राएल-का	—
H5324	H8033	H4196	H7121		H0410	H0430	H3478	

> याकूब ने परमेश्वर की उपासना के लिए वहाँ एक विशेष स्मरण स्तम्भ बनाया। याकूब ने जगह का नाम “एले, इस्राएल का परमेश्वर” रखा।